

**क्षुरपत्र वि.** (तत्.) छूरे की धार जैसे पत्तों वाला।

**क्षुरिका स्त्री.** (तत्.) 1. छुरी, चाकू 2. पालक नामक साग 3. एक प्रकार की मिट्टी का पात्र 4. एक यजुर्वेदीय उपनिषद का नाम।

**क्षुरिणी स्त्री.** (तत्.) नाइन, नाई जाती की स्त्री।

**क्षुरी स्त्री.** (तत्.) छोटा, थोड़ा, अल्प।

**क्षुल्लक वि.** (तत्.) 1. क्षुद्र, छोटा, थोड़ा 2. कुटिल, नीच 3. पीड़ित 4. कठिन पुं. क्षुद्र शंख।

**क्षुव पुं.** (तत्.) 1. छींक 2. खाँसी।

**क्षेत्र पुं.** (तत्.) 1. खेत, समतल भूमि, उत्पत्ति स्थान 2. घर नगर, प्रदेश जैसे- हरिहर क्षेत्र, कुरुक्षेत्र, पुण्यक्षेत्र, तीर्थ क्षेत्र 3. राशि (मेष, वृष आदि) 4. शरीर, बंदन 5. अंतःकरण 6. वह स्थान जो रेखाओं से घिरा हो 7. पाँचों ज्ञानेंद्रियों, कर्मेन्द्रियों, शब्द स्पर्श, मन, इच्छा, द्वेष, सुख, दुख, संस्कार, चेतनता और धृति आदि का समाहार 8. बाड़ा, घेरा 9. रेखाचित्र 10. अन्न क्षेत्र।

**क्षेत्रकर पुं.** (तत्.) किसान, खेतिहर।

**क्षेत्रकर्षक पुं.** (तत्.) किसान, खेतिहर।

**क्षेत्रगणित पुं.** (तत्.) गणित विद्या की वह शाखा, जिसमें क्षेत्रों (खेतों) के नापने और उनके क्षेत्रफल निकालने की विधि का वर्णन रहता है geometry

**क्षेत्रज वि.** (तत्.) 1. खेत में उपजा हुआ 2. शरीर से उत्पन्न 3. धर्मशास्त्र के अनुसार विधिवत् नियुक्त पुरुष से उत्पन्न पुरुष 4. बारह प्रकार के पुत्रों में से एक।

**क्षेत्रजा स्त्री.** (तत्.) 1. सफेद कंटकारी 2. ककड़ी 3. गोमूत्रिका 5. शिप्पिका।

**क्षेत्रज्ञ पुं.** (तत्.) 1. जीवात्मा 2. शरीर का अधिष्ठाता 3. परमात्मा 4. किसान, खेतिहर 5. साक्षी 6. अंतर्दामी 6. बटुकभैरव का भेद वि. (तत्.) जानी, दक्ष, जाता, जानकार।

**क्षेत्रपति पुं.** (तत्.) 1. जमीन का मालिक 2. खेत का रखवाला, काश्तकार 3. जीवात्मा 4. परमात्मा।

**क्षेत्रपाल पुं.** (तत्.) 1. खेत का रखवाला, क्षेत्र-रक्षक 2. द्वारपाल 3. भैरव का एक भेद 4. किसी स्थान का प्रधान प्रबंधकर्ता 5. स्वयंभू 6. भूमिया।

**क्षेत्रफल पुं.** (तत्.) किसी क्षेत्र या आकृति के पृष्ठीय विस्तार का माप या परिमाण जो प्रायः उसकी लंबाई और चौड़ाई के गुणन से जाना जाता है।

**क्षेत्ररक्षक पुं.** (तत्.) क्रिकेट, बेसबाल आदि के खेल में क्षेत्ररक्षण का कार्य करने वाला खिलाड़ी।

**क्षेत्रविद् वि.** (तत्.) जिसे किसी इलाके या क्षेत्र के स्थानों और मार्गों का पूरा ज्ञान हो।

**क्षेत्रहिंसा स्त्री.** (तत्.) खेत को हानि पहुँचाना।

**क्षेत्राजीव [क्षेत्र+आजीव] पुं.** (तत्.) किसान, खेती करने वाला, खेती से जीविका चलाने वाला।

**क्षेत्राधिकार पुं.** (तत्.) किसी विशेष क्षेत्र या विशेष प्रकार के मुकदमें सुनने का अधिकार। jurisdiction

**क्षेत्राधिप पुं.** (तत्.) खेत का मालिक, ज्योतिष के अनुसार किसी राशि का स्वामी।

**क्षेत्रानुगत वि.** (तत्.) घाट या बंदरगाह पर लगा हुआ (जहाज)।

**क्षेत्राधिदेवता पुं.** (तत्.) क्षेत्र या सिद्ध स्थान विशेष का अधिष्ठाता देवता।

**क्षेत्राभिरक्षक पुं.** (तत्.) नागरिक संगठन का वह अधिकारी जो हवाई हमले के समय क्षेत्र विशेष के नागरिकों की रक्षा के काम में सहायता करे।

**क्षेत्रिक वि.** (तत्.) खेतसे संबंध रखनेवाला पुं. किसान।

**क्षेत्रिय वि.** (तत्.) 1. खेत संबंधी 2. खेत में उपजा हुआ पुं. असाध्य रोग 2. चरागाह 3. पर स्त्री से संबंध रखनेवाला पुरुष।

**क्षेत्री वि.** (तत्.) 1. खेत का मालिक, स्वामी पुं. 1. असाध्य रोग 2. आत्मा 3. परमात्मा 4. नाम मात्र का पति।

**क्षेद पुं.** (तत्.) रोना, धोना, शोक करना।